सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 08 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 297, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

पीएम मोदी ने दी देश को चार वंदे भारत की सौगात

» Pg12

इनसाइड मानवता शर्मसारः झाड़ियों में सिसकती मिली मासूम... » Pg08

दिल्ली की बंगाली बस्ती में रात भर आग का तांडव

पांच सौ झुग्गियां जलकर खाक, सैकड़ों लोग बेघर

एक की मौत, एक बच्चा घायल, दमकल की 29 गाड़ियों ने सात घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, दिल्ली के किसी मंत्री ने नहीं किया ट्वीट

भयावह मंजर

रात भर जलते रहे गरीबों के आशियाने

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में आधी रात भयंकर आग का तांडव देखने को मिला। रोहणी इलके में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास बनी झुग्गी बस्ती में अचानक भीषण आग लग गई। देख ही देखते ये आग पूरी बस्ती में फैल गई और 400-500 झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। शुरुआती जानकारी में आया है कि आग से एलपीजी सिलेंडर एक बाद एक फटे जिससे आग और भड़क गई। खबरों के मुताबिक दमकल विभाग की तत्परता से शनिवार तड़के सात घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन इस हादसे में एक बच्चे के झुलसने तथा एक व्यक्ति की मौत की खबर है।

आग रिठाला मेट्रो स्टेशन और दिल्ली जल बोर्ड के बीच स्थित बंगाली बस्ती में शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कुछ ही पलों में आग में सैकड़ों झुग्गियां को अपनी चपेट में ले लीं। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में सैकड़ों झुग्गियां जलकर राख हो गईं। आग लगने के दौरान गैस सिलेंडरों में लगातार ब्लास्ट की भी सूचना आई, हालांकि इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। अचानक लगी इस आग से इलाके में भगदड़ मच गई और लोग अपनी-अपनी झुग्गियों से सामान निकालने में जुट गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत हादसे की सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद विभाग ने फौरन मोर्चा संभाला। शुरुआत में 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन आग की तीव्रता को देखते हुए संख्या बढ़ाकर कुल 29 कर दी गई। दिल्ली दमकल विभाग (डीएफएस) ने बताया कि आग लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में फैली गई थी। आग के तेजी से फैलने का कारण पास में चल रहे प्लास्टिक कबाड़ का धंधा था।

तमाम जद्दोजहद के बाद आज शनिवार तड़के आग पर काबू पाया गया। दमकल कर्मियों ने अंधेरे और घनी आबादी वाले इलाके में चुनौतियों का सामना करते हुए आग बुझाने का काम शुरू किया। रात भर चले इस अभियान में उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर सैकड़ों परिवारों को सुरक्षित निकाला। आखिरकार, सुबह होते-होते आग पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल हो गया। घटना में एक बच्चा भी घायल हुआ है, उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा दिया गया है साथ ही एक युवक की मौत की भी खबरें आ रही हैं।

इस बीच, पुलिस सूत्रों ने बताया कि कई एलपीजी सिलेंडर फटने से आग और भड़क गई और निवासियों में दहशत फैल गई। इलाके से धुएं का घना गुबार उठता देखा गया, जबकि स्थानीय लोग अपना सामान बचाने और सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे।

शुरुआत में असिस्टेंट डायरेक्टर ए.के. शर्मा के नेतृत्व में 2 वॉटर टेंडर और 3 वॉटर बॉजर पहुंचे। हालांकि, बेकाबू आग को देखते हुए मध्यम अलर्ट जारी किया गया। खतरे को भांप कर शर्मा ने मौके पर फायर ब्रिगेड की 24-25 गाड़ियां लगाई गईं। कुल 7 वॉटर टेंडर, 12 वॉटर बॉजर, 2 फोम टेंडर, 1 हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म, 1 इंटरनल रेस्क्यू टेंडर, 2 मल्टी-पर्पस वाहन, 2 मिनी रोबोट और 1 बड़ा रोबोट तैनात किया गया। डीसीएफओ एस.के. दुआ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी रात भर मौके पर मौजूद रहे।

अधिकारियों का अनुमान है कि यह शॉर्ट सर्किट या खाना पकाने के दौरान लापरवाही से आग भड़क सकती है। दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहरों में झुग्गी बस्तियों में आग लगना कोई नई बात नहीं है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर सुरक्षा उपाय, जागरूकता अभियान और आपातकालीन निकासी योजनाओं की जरूरत है।

अब सवाल ये है कि रिठाला की आग ने न सिर्फ झुग्गियां राख कर दीं, बल्कि सैकड़ों गरीब परिवारों को खुले आसमान तले ला खड़ा किया। अब जब सर्दी दस्तक दे रही है, तो सवाल उठता है जिनके सिर से छत चली गई, उनका इस ठंड में क्या होगा?

हमारी टीमों ने कड़ी मेहनत की, अब स्थिति नियंत्रण में हैः एसके दुआ

अग्निकांड के बाद सूचना मिलने पर पहुंचे अग्निशमन विभाग के अधिकारी एसके दुआ ने कहा, हमें सूचना मिलते ही दमकल की टीमें मौके पर रवाना कर दी गईं। बंगाली बस्ती की झोपड़ियों में लगी आग को बुझाने के लिए कुल 29 वाहन तैनात किए गए। हमारी टीमों ने कड़ी मेहनत की और अब स्थिति नियंत्रण में है। एक बच्चा घायल हुआ है, जिसे अस्पताल भेज दिया गया। बाकी सभी सुरक्षित हैं।

मौन रही दिल्ली सरकार एक्स पर एक्टिव मुख्यमंत्री, मंत्रियों ने किया अनदेखा

हैरानी की बात यह रही कि इस घटना के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रियों की ओर से कोई बयान या ट्वीट नहीं आया। आमतौर पर सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाली सीएम की इस चुप्पी पर लोगों ने सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि आपदा के वक्त संवेदनशीलता और तत्परता ही असली राजनीति की पहचान होती है। फिलहाल प्रशासन ने राहत और पुनर्वास कार्य शुरू करने की बात कही है, लेकिन प्रभावित लोग सरकारी मदद की राह देख रहे हैं।

जून की आग से सबक नहीं, आखिर कब जागेंगे जिम्मेदार

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास एक बार फिर लापरवाही ने भयावह रूप ले लिया। इसी इलाके में जून 2025 में भीषण हादसे ने चार जिंदगियां निगल ली थीं। उस समय एक पॉलिथीन बनाने वाली तीन मंजिला फैक्ट्री में लगी आग में चार श्रमिकों की मौत हो गई थी और तीन घायल हुए थे। तब जांच और सुरक्षा इंतज़ामों के दावे किए गए थे, लेकिन हालिया हादसे ने साफ कर दिया कि जिम्मेदार विभागों ने कोई ठोस सबक नहीं सीखा। लगातार आग की घटनाओं ने रिठाला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रभावित लोग पूछ रहे हैं आखिर कब जागेंगे जिम्मेदार?

भ्रष्टाचार और कब्जे से जुड़ा सुरार भूमि कांड अब डीएम की टेबल पर पहुंचा

» सुरार में ऊसर भूमि कब्जा काण्ड में डीएम उठाएंगे सख्त कदम

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर किए गए भू माफियाओं के कब्जे का प्रकरण जिलाधिकारी कानपुर जितेंद्र प्रताप सिंह के संज्ञान में पहुंचा है। जिसको लेकर अब विभागीय सूत्रों से जानकारी निकल कर आई है कि राजस्व विभाग की एक अहम बैठक जल्द ही होगी जिसमें भू माफियाओं पर मुकदमा लिखाने और सरकारी जमीन को खाली कराने को लेकर अहम फैसला लिया जाएगा।

आरोपी महेंद्र यादव

आरोपी वीर बहादुर यादव

बताते चलें कि सुरार ग्राम पंचायत के प्रधान पंकज यादव ने करीब एक माह पहले सदर एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव पर अराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 की सरकारी ऊसर भूमि पर अवैध कब्जे और प्लॉटिंग कराने का आरोप लगाया था।

प्रधान ने क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर भी मोटी रिश्वत लेकर भूमाफियाओं के पक्ष में फर्जी रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया था।हालांकि बाद में प्रधान ने अपनी शिकायत वापस ले ली। ग्रामीणों का आरोप है कि शिकायत वापसी के एवज में ग्राम प्रधान ने मोटी रकम ली है। इस बीच ग्राम प्रधान पंकज यादव पर 1 लाख रंगदारी मांगने का मुकदमा भी सचेंडी थाने में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता राजकुमार ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने उसकी निजी भूमि पर बन रही दुकानों के नाम पर वसूली की मांग की थी।

बुलडोजर चलवाकर कब्जा हटाया भी गया था

सदर एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार रिचा सचान ने जांच कर आराजी संख्या 608 के कुछ हिस्से पर वीर बहादुर यादव का कब्जा होने की पुष्टि की थी।

उस क्षेत्र से बुलडोजर चलवाकर कब्जा हटाया भी गया था, लेकिन अधिकतर भूभाग आज भी भूमाफियाओं के कब्जे में है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भू-माफिया मुक्त प्रदेश अभियान के बावजूद अब तक न तो लेखपाल पर कोई कार्रवाई हुई और न ही भू माफियाओं पर मुकदमा दर्ज हुआ। नायब तहसीलदार रिचा सचान से जब इस विषय को लेकर जवाब मांगा गया तो उनके द्वारा यह बताया गया है की विषय की गंभीरता को देखते हुए पूरा मामला जिला अधिकारी कानपुर के संज्ञान में डाल दिया गया है ।

उनके द्वारा जल्द ही भूमाफियाओं को लेकर सख्त कदम उठाने का आश्वासन दिया गया है।

बैंक मैनेजर के घर से 40 लाख की चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

पकड़े गए ज्वैलर्स से पुलिस ने सात चांदी के सिक्के और नकदी बरामद की, बाकी माल का अता-पता नहीं

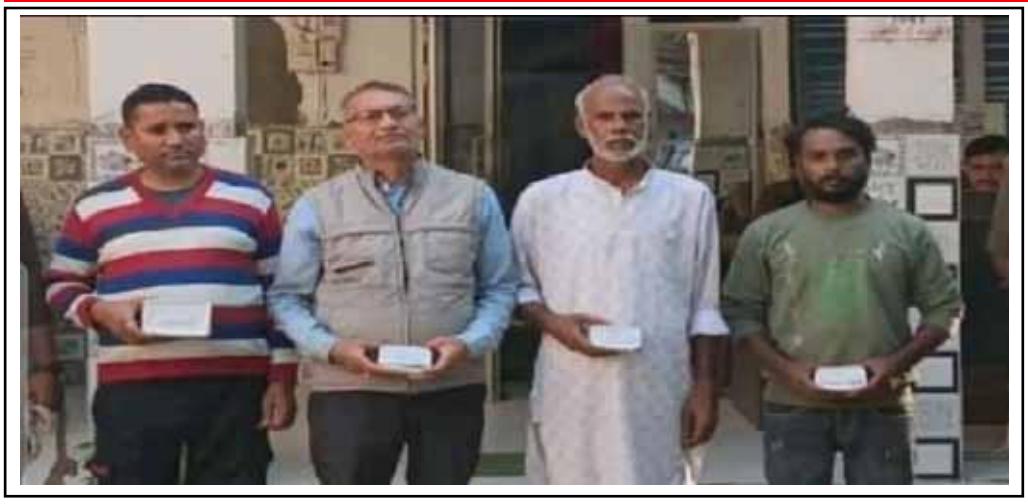

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। रतनलाल नगर में बैंक मैनेजर के घर हुई 40 लाख की चोरी का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने दो ज्वैलर्स समेत चार और आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी के खरीदे गए सात चांदी के सिक्के और 51,290 नकद बरामद किए गए। इससे पहले पुलिस मुख्य आरोपित छोटू उर्फ करिया और बब्बी उर्फ कुलदीप को पहले ही जेल भेज चुकी थी।

रतनलाल नगर निवासी इंदरप्रीत चावला, इंडसइंड बैंक में मैनेजर हैं। 7 सितंबर को बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए वे परिवार संग बाहर गए थे। देर रात लौटे तो देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है और दो चोर छत की ओर से भाग रहे हैं। घर से 40 हजार नकद समेत करीब 40 लाख के जेवरात चोरी हो गए थे।गोविंद नगर थाना प्रभारी रिकेश सिंह ने बताया कि पूछताछ में मुख्य आरोपी छोटू ने बताया था कि चोरी का माल उसने अपने सौतेले पिता धर्मेंद्र को दिया था। धर्मेंद्र से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस हमीरपुर मौदहा निवासी शम्सुद्दीन के जरिये उपरौंस कस्बे के सर्राफ धर्मेंद्र सोनी और कजियाना के मूलचंद्र सोनी तक पहुंची। दोनों ने चोरी का सामान खरीदा था। इसके अलावा छोटू का भाई जितेंद्र उर्फ लल्ला, निवासी नौगवां कंचौसी (औरैया) भी इस चोरी में शामिल पाया गया। गुरुवार को दबौली गांव से चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

जलकल विभाग में

खाली कुर्सियां देख नाराज हुई मेयर

» महापौर प्रमिला पांडेय के औचक निरीक्षण से जलकल विभाग में 18 कर्मचारी अनुपस्थित मिले

» सभी का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर ।नगर निगम, कानपुर में कार्यप्रणाली में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए महापौर ने सख्त रुख अपनाया है।

शुक्रवार को महापौर ने बेनाझाबर स्थित जलकल विभाग के मुख्य कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक, जलकल विभाग भी उनके साथ मौजूद रहे ।निरीक्षण के दौरान जोन-4 के अधिशासी अभियंता ईश्वर सिंह सहित कई अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जांच में पाया गया कि लेखा विभाग, सचिव कार्यालय, जोन-4 व जोन-6 कार्यालयों में कुल 18 कर्मचारी (03 वरिष्ठ लिपिक, 04 कनिष्ठ लिपिक, 09 बेलदार और 01 सफाई कर्मचारी) बिना सूचना के अनुपस्थित थे ।महापौर ने इस लापरवाही पर नाराज़गी जताते हुए संबंधित कर्मियों के खिलाफ एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। साथ ही सभी कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य रूप से दर्ज कराने के भी आदेश दिए गए ।महापौर ने कहा कि नगर की मूलभूत सेवाओं से जुड़े विभागों में अनुशासन सर्वोपरि है। जनता की सुविधाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।इस औचक निरीक्षण से स्पष्ट संदेश गया है कि नगर निगम में अब कार्य संस्कृति को दुरुस्त करने की मुहिम और तेज़ होगी।

भारत पेट्रोलियम डिपो के पास मिला कंकाल

» तीन माह पुराना कंकाल, पुलिस को शव एसिड से जलाने की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सचेंडी स्थित बीपीसीएल डिपो की बाउंड्री के पास एक किसान के खेत में करीब तीन माह पुराना मानव कंकाल मिला है। उसके आसपास की घास जली होने के कारण पुलिस को हत्या के बाद एसिड डालने की आशंका है। पुलिस ने कंकाल को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कानपुर के सचेंडी में पेट्रोलियम डिपो (बीपीसीएल) की बाउंड्री के पास शुक्रवार को तीन माह पुराना कंकाल मिला। कंकाल के पास घास जली होने के कारण हत्या के बाद एसिड डालने की भी आशंका है। खेत मलिक की सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। कंकाल को कब्जे में लिया। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई।

सचेंडी भौंतीखेड़ा के पास संजयनगर स्थित भारत पेट्रोलियम डिपो की बाउंड्री है। इसके एक तरफ कुछ किसानों के खेत हैं। ये खेत भी बीपीसीएल की बाउंड्री में ही हैं। इन्हीं में से एक खेत संजयनगर के परितोष का है। इस पर बीपीसीएल और परितोष के बीच कोर्ट में वाद चल रहा है।

खेत पर गए, तो कंकाल नजर आया

परितोष के खेत में धान की फसल है। परितोष ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को वह खेत पर गए, तो कंकाल नजर आया। पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने कंकाल को बाहर निकालकर बाउंड्री वाल के गेट पर ताला डाल दिया। कंकाल के आसपास की फसल झुलसी हुई लग रही है।

डीएनए जांच कराई जा रही है

इससे हत्या के बाद एसिड डालने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक कंकाल करीब तीन माह पुराना है। कंकाल महिला का है या पुरुष का इसका पता नहीं चल सका है। एडीसीपी पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि डीएनए जांच कराई जा रही है। अगर कोई शिकायत मिलेगी, तो उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

देश-विदेश से पहुंचे जायरीन, मांगी अमन-चैन की दुआ

दम मदार बेड़ा पार की गूंज से तीन दिवसीय उर्स का आगाज

जर्मन की शोधार्थी और लेखक मरियम भी पहुंची मकनपुर

ज्वाइंट सीपी को परंपरागत पगड़ी बांधते सज्जादनशी।

मकनपुर स्थिति सैयद बड़ीउद्दीन जिंदा शाह मदार की पवित्र दरगाह।

ज़ियारत करने को दरगाह के अंदर दाखिल होते अकीदतमंदों की भारी भीड़।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर स्थित हज़रत सैय्यद बदीउद्दीन जिंदा शाह मदार रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर शुक्रवार को दम मदार बेड़ा पार की गूंज के साथ तीन दिवसीय उर्स का आगाज़ हुआ। हजारों की तादाद में जायरीन और मलंगों ने दरगाह पर हाज़िरी लगाई, चादरपोशी की और अमन-चैन की दुआ मांगी।

मकनपुर की ऐतिहासिक दरगाह पर 609वें उर्स की रौनक देखते ही बन रही है। सज्जादानशीन मौलाना मोहम्मद अरगून, सैय्यद फैज़ी जाफरी मदारी और नूरुल अराफ़त जाफरी ने बताया कि शुक्रवार को देश-विदेश से आए हजारों जायरीनों ने चादर चढ़ाई। उन्होंने कहा कि गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी जिलों सहित कई राज्यों से जायरीन पहुंचे हैं।

ग्राम प्रधान मज़ाहिर हुसैन जाफरी ने बताया कि मलंगों और जायरीनों के लिए मुसाफिरखाने और टेंट की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि ईशन नदी में स्नान कर दरगाह पर हाज़िरी देने की परंपरा वर्षों पुरानी है। शुक्रवार को ठंडी हवाओं के बीच ईशन नदी में स्नान और दरगाह पर माथा टेकने का

» कमेटी व अकीदतमंदों ने जगह-जगह कराया लंगर।

सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। रात 8 बजे से दरगाह परिसर में जलसे की महफिल सजी। मौलाना ने तकरीर की और मदार पाक के सिलसिले के बारे में लोगों को बताया। देर रात तक जलसे का कार्यक्रम चलता रहा।

डिप्टी सीपी आशुतोष कुमार, एडीसीपी कपिलदेव समेत कई पुलिस अधिकारियों और खुफिया विभाग की टीम ने मकनपुर पहुंचकर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था का जायज़ा लिया। संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी भी ली गई। कमेटी के लोगों ने अधिकारियों को परंपरागत पगड़ी बांधकर दरगाह की जियारत कराई। अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि उर्स के दौरान कई थानों का फोर्स लगाया गया है। करीब 40 ट्रैफिक सिपाही और दो प्लाटून पीएसी सुरक्षा में तैनात हैं।

लोगों ने खोले मेहमानों के लिए अपने दरवाज़े

गंगा जमुना तहज़ीब और अदब के लिए मशहूर कस्बा मकनपुर इस बार भी अपनी मेहमाननवाज़ी की मिसाल कायम कर रहा है। उर्स में भारी भीड़ को देखते हुए कस्बे के लोगों ने दूर-दराज़ से आए जायरीनों के लिए अपने घरों के दरवाज़े खोल दिए हैं। कमेटी के सदस्य शोएब गाज़ी ने बताया कि जायरीनों के ठहरने और रुकने की पूरी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि उर्स के दौरान मकनपुर के लोग दरगाह के आसपास आने वाले मेहमानों के लिए अपने घरों के दरवाज़े तक खोल देते हैं । यही मकनपुर की पुरानी परंपरा और पहचान है।

मदारिया पर शोध कर रहीं जर्मन की लेखिका मरियम पहुंचीं मकनपुर

मकनपुर और मदारिया सिलसिले पर अध्ययन कर रही जर्मन की लेखिका मरियम भी उर्स में शामिल हुईं। वह पिछले कई सालों से दरगाह से जुड़ी परंपराओं पर काम कर रही हैं। और हर वर्ष उर्स मे वह शामिल होती हैं। जब वह दरगाह पर हाजिरी देने पहुंची तो कई लोग रास्ते मे मरियम के साथ सेल्फी लेते देखे। उनकी मौजूदगी से उर्स में अलग ही माहौल देखने को मिला।

रक्षा संपदा विभाग ने कब्जा हटाया, 10 एकड़ भूमि मुक्त

चौबेपुर में लीज खत्म होने के बाद हो रहा था उपयोग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

चौबेपुर (कानपुर)। जीटी रोड स्थित बिजली घर के पास रक्षा संपदा विभाग की लगभग 10 एकड़ भूमि को प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार को कब्जे से मुक्त कराया गया। जानकारी के अनुसार, यह जमीन करीब पांच दशक पहले एक किसान को लीज पर दी गई थी। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद किसान भूमि पर खेती कर रहा था। कई बार नोटिस दिए जाने के बाद भी कब्जा न हटाने पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए जमीन खाली कराई।

कार्रवाई में रक्षा संपदा कार्यालय लखनऊ, स्थानीय पुलिस व सेना के अधिकारी शामिल रहे। जमीन खाली कराने के बाद वहां विभाग का बोर्ड लगाया गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि रक्षा संपदा विभाग देशभर में करीब 18 लाख एकड़ भूमि का प्रबंधन करता है और किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कल्याणपुर: हाईवे किनारे खड़ी गाड़ी में घुसा ट्रक, दो की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कल्याणपुर (कानपुर)। मौती बाईपास पर सचेंड़ी से नौबस्ता की ओर जा रहा ट्रक कूड़ा निस्तारण प्लांट के पास सड़क किनारे खड़े खराब ट्रक में जा घुसा। जिसके चलते मौके पर दो लोगों की मौत हो गई। शनिवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक खड़े ट्रक में जा घुसा। मौके पर पहुंची पुलिस ने थाना कोतवाली, संत कबीर नगर निवासी ड्राइवर अरविंद यादव को सकुशल बाहर निकाला। जबकि कंडक्टर शमशाद और एक अन्य सवारी की मौके पर मौत हो गई।

पनकी इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में दो व्यक्तियों की मौत और एक अन्य सवारी घायल हुई है। जाम खुलवाकर ट्रैफिक को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया था।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं: तहसीलदार

अधिकारियों ने संभाली कमान, मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में तेजी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर नगर)। मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को गति देने के लिए शुक्रवार को तहसीलदार बिल्हौर अनुभव चंद्रा ने स्वयं फील्ड में उतरकर कमान संभाली। उन्होंने बिल्हौर, नानामऊ, रहमतपुर और अरौल क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों का दौरा कर बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) के साथ घर-घर जाकर एसआईआर के गणना प्रपत्र वितरित कराए। तहसीलदार ने मौके पर ही निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर तक गणना प्रपत्र अवश्य पहुंचे ताकि मतदाता सूची पूरी तरह अद्यतन हो सके। इस दौरान उन्होंने संकलन और सत्यापन कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार हर पात्र नागरिक का नाम सूची में जोड़ा जाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तहसीलदार ने बीएलओ को चेतावनी दी कि यदि किसी घर में पात्र व्यक्ति अनुपस्थित मिले तो दोबारा जाकर संपर्क सुनिश्चित किया जाए। अभियान के दौरान स्थानीय राजस्व कर्मी और ग्राम पंचायत अधिकारी भी मौजूद रहे। तहसीलदार अनुभव चंद्र ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की बुनियाद है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित लगातार अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वे बीएलओ को विशेष प्रशिक्षण देकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो।

» बंटवाए गए गणना प्रपत्र, बीएलओ को दिए सख्त निर्देश।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच

05

कानपुर,शनिवार 08 नवंबर , 2025

सम्पादकीय

सेहत-समृद्धि लील रहे हैं मौसमी बदलाव

पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन का मानवीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का शोर तो लंबे समय से सुनाई दे रहा है, लेकिन इसकी घातकता का अंदाजा कुछ समय पहले प्रकाशित प्रमाणिक वैश्विक सर्वेक्षण से सामने आया है। सर्वे बताता है कि भारत में पिछले साल बीस दिन लू का सामना करना पड़ा।

इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन कारकों से अधिक गर्म हवाएं चलीं। यह भी कि वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 247 अरब घंटों का नुकसान हुआ, जिसके चलते श्रम क्षमता में कमी आने से 194 अरब डॉलर का नुकसान देखा गया। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि जीवाश्म ईंधनों पर अत्यधिक निर्भरता और जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूलन की विफलता से लाखों लोगों की जिंदगियां, स्वास्थ्य और आजीविका खतरे में हैं। रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को मापने वाले 20 में से बारह संकेतक अब तक के सबसे उच्चतम स्तर तक जा पहुंचे हैं। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती

नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं।

वे विकास के तमाम संसाधनों का निर्मम दोहन करने के बाद अपनी गरीब आबादी को को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने में जुटे विकसित देशों पर जलवायु परिवर्तन से बचाव के उपायों को लागू करने के लिये लगातार दबाव बना रहे हैं। 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' रिपोर्ट के अनुसार, मानवजनित पीएम-2.5 प्रदूषण भारत में 2022 के दौरान 17 लाख मौतों के लिए जिम्मेदार था।

भविष्य में पौधों से रोशन होंगे स्मार्ट शहर

ज्योति मल्होत्रा

आने वाले समय में पेड़-पौधे बिना बैटरी के चमकते हुए सड़कों और बाग-बगीचों को रोशन करेंगे। वैज्ञानिकों ने ऐसे पौधों का विकास किया है जो सूर्य की रोशनी में रिचार्ज होकर प्राकृतिक बायोल्यूमिनेसेंस का अनुभव कराते हैं। आने वाले समय... आने वाले समय में पेड़-पौधे बिना बैटरी के चमकते हुए सड़कों और बाग-बगीचों को रोशन करेंगे। वैज्ञानिकों ने ऐसे पौधों का विकास किया है जो सूर्य की रोशनी में रिचार्ज होकर प्राकृतिक बायोल्यूमिनेसेंस का अनुभव कराते हैं।आने वाले समय में पेड़ सड़कों को रोशन करेंगे और बाग-बगीचे पौधों के रंग-बिरंगे प्रकाश में चमकेंगे। पेड़-पौधों का चमकना आपको कुछ विचित्र लग सकता है लेकिन प्रकृति में जैव प्रकाश अथवा ायोल्यूमिनेसेंस के कई उदाहरण पहले से मौजूद ह

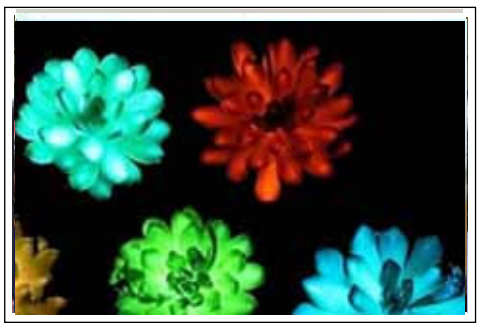

ैं, जिनमें जंगल की जमीन पर चमकने वाले मशरूम और समुद्र को रोशन करने वाले प्लैंकटन नामक सूक्ष्म पौधे शामिल हैं। जैव प्रकाश के इन प्राकृतिक नजारों से प्रेरित होकर वैज्ञानिकों ने चमकने वाले बगीचों और अपने आप जगमग होने वाले शहरों के बारे में सोचना शुरू कर दिया है। वैज्ञानिक ऐसे पौधे बनाने में सफल हो गए हैं जो बहुत तेज चमकते हैं और मिनटों में रिचार्ज हो जाते हैं। ऐसे पौधों को न तो बैटरी चाहिए और न ही कोई प्लग। इनमें किसी आनुवंशिक छेड़छाड़ की आवश्यकता भी नहीं पड़ती। मैटर पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में रिसर्चरों ने ऐसे चमकते पौधों का वर्णन किया है, जो सूर्य के प्रकाश में रिचार्ज होते हैं और रंगीन आभा उत्सर्जित करते हैं। रिसर्चरों ने पाया कि पत्तियों में प्रकाश-संग्रही कणों का इंजेक्शन लगाने के बाद पौधे छोटे रात्रि लैंपों को टक्कर देने लायक प्रकाश उत्सर्जित करने में सक्षम हो जाते हैं। वैज्ञानिकों ने पौधों को चमकदार बनाने के लिए घरों के अंदर रखे जाने वाले सजावटी पौधों को चुना। इन छोटे रसीले पौधों में मोटे तने और मोटी पत्तियां होती हैं। इन्हें 'सक्युलेंट' भी कहा जाता है। शोधकर्ताओं ने पौधों में प्रकाश उत्पन्न करने के लिए पत्तियों की कोशिकाओं के बीच प्राकृतिक स्थानों में छोटे, प्रकाश-संग्रही क्रिस्टल डालने की एक विधि विकसित की है। ये क्रिस्टल सूर्य के प्रकाश या घर के अंदर की तेज रोशनी में चार्ज होते हैं, फिर रोशनी बंद होने के बाद धीरे-धीरे उस ऊर्जा को दृश्यमान चमक के रूप में छोड़ते हैं। इस चमक को आफ्टरग्लो कहा जाता है। रसीले पत्तों की आंतरिक संरचना घनी और एक समान होती है। इनमें कण समान रूप से फैलते हैं और पूरा पौधा सुचारु रूप से प्रकाशमान होता है। शोधकर्ताओं ने पौधों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया और हरे रंग सहित विभिन्न चमकदार रंगों का पता लगाया। उन्होंने दर्शाया कि पौधे सामान्य रूप से जीवित रहते हुए भी मृदुल प्रकाश का बैटरी-मुक्त पुनः प्रयोज्य स्रोत प्रदान कर सकते हैं। दक्षिण चीन कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक और प्रथम लेखक शुटिंग लियू ने कहा कि हॉलीवुड की साइंस फिक्शन फिल्म 'अवतार' में चमकते पौधों को पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को रोशन करते हुए दिखाया गया था। हैं।

उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए कि चमकते पेड़ स्ट्रीट लाइट का भी काम करने लगें। प्रकाशमान पौधे बनाने के लिए पहले किए गए प्रयास आनुवंशिक इंजीनियरिंग पर आधारित थे। ये विधियां आमतौर पर हल्का हरा प्रकाश उत्पन्न करती थीं और साथ में इसमें उच्च लागत और जटिल तकनीकों जैसी कई चुनौतियां भी थीं। वैज्ञानिकों ने नए तरीके में अकार्बनिक कणों का उपयोग करके इन समस्याओं को दूर किया है। रोशनी उत्पन्न करने वाले ये पदार्थ पहले से ही चमकने वाले खिलौनों और सुरक्षा संकेतों में प्रयुक्त होते हैं। ये कण सस्ते हैं और व्यापक रूप से उपलब्ध हैं।

महिला मतदाताओं पर सियासी दांव-पेंच

बिहार चुनाव

ज्वाला सिंह दास

बिहार चुनाव में महिला मतदाताओं का प्रभाव अहम है, और इसे ध्यान में रखते हुए एनडीए और महागठबंधन ने कई वादे किए हैं। हालांकि, महिला प्रत्याशियों को टिकट देने में दोनों गठबंधनों का रुझान कम था, बावजूद इसके महिलाओं के कल्याण के लिए योजनाओं का जोरदार प्रचार किया गया। बिहार के चुनाव में महिला मतदाताओं पर प्रभाव बनाने के लिए एनडीए और महागठबंधन दोनों ने पूरी कोशिश की है। दोनों ही गठबंधन ने महिला मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए वादों का पिटारा खोल दिया है।

हालांकि, एनडीए या महागठबंधन ने जिस स्तर पर महिलाओं के सामने उनके विकास और सुरक्षा को लेकर दावे किए हैं उस स्तर पर महिलाओं को बढ़-चढ़कर टिकट नहीं मिल पाए हैं। बिहार में महिला मतदाताओं का सीएम नीतीश कुमार पर प्रभाव रहा है। जेडीयू को अलग-अलग समय में जीत हसिल कराने में महिला मतदाताओं का काफी योगदान रहा है। अब आरजेडी के नेता कोशिश कर रहे हैं कि नीतीश के इस प्रभाव को कम किया जाए। तेजस्वी ने भी महिलाओं को लुभाने के लिए कई वादे कर दिए हैं। बिहार में सात करोड़ 90 लाख मतदाताओं में तीन करोड़ 50 लाख से ज्यादा महिला मतदाता हैं, लेकिन 243 सीटों में से केवल 65 महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं। महागठबंधन ने आरजेडी से 23 और कांग्रेस ने पांच महिलाओं को टिकट दिया है। सीपीआई माले ने 20 प्रत्याशियों में केवल एक महिला को टिकट दिया है। सीपीआई सीपीएम की झोली से एक

भी टिकट नहीं निकला। वीआईपी ने भी एक महिला को टिकट दिया। इसी तरह एनडीए में भी जेडीयू और बीजेपी ने 13-13 महिलाओं को टिकट दिया। जबकि सहयोगी संगठनों में एलजेपी आरएलएम और हम के जरिए आठ टिकट महिलाओं को मिले। इनमें भी हम के दो महिला प्रत्याशी जीतनराम मांझी के परिवार की ही हैं। महिलाओं के लिए वादों में उत्साह जरूर था, लेकिन टिकट देने में रुझान कम दिखा। बिहार में नीतीश को सत्ता दिलाने में महिला मतदाताओं का बड़ा योगदान रहा है। वर्ष 2015 में शराबबंदी और सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए आरक्षण का फार्मूला काम आया। इससे पहले 2009 में नीतीश ने स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल उपलब्ध कराई थी।। लेकिन हर चुनाव में नीतीश की जीत में महिलाओं के वोट का खासा योगदान था।

नीतीश कुमार के शासन में महिलाओं के कल्याण को लेकर कई योजनाएं चलती रहीं। लेकिन चुनाव से ठीक पहले नीतीश ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू करके मास्टर स्ट्रोक खेलने की कोशिश की। इसके जरिए लगभग एक करोड़ बीस लाख से ज्यादा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये देने के अलावा कई डायरेक्ट कैश ट्रांसफर करने का ऐलान किया गया। यही नहीं आंगनबाड़ी सेविकाओं और रसोइयों का मानदेय भी बढ़ाया गया। महिलाओं को रोजगार के लिए दस दस हजार रुपये की सहायता में नीतीश सरकार ने महिलाओं को साथ जोड़ने की कोशिश की है। पेंशन योजना और दूसरी कई योजनाओं से नीतीश सरकार ने जहां अपने स्तर पर राज्य की महिलाओं को साधने की कोशिश की है वहीं केंद्र के स्तर पर केंद्र सरकार ने जनधन योजना, मुफ्त गैस जैसी योजनाओं के सहारे यह साबित करने की कोशिश की है कि एनडीए महिलाओं के उन्नति और आत्मनिर्भरता के लिए कदम बढ़ाती है। मुफ्त अनाज योजना खासकर महिलाओं की रसोई का बड़ा आधार बना है। एनडीए ने जिस तरह आरजेडी को जंगल राज के बहाने घेरने की कोशिश की है उसके पीछे महिलाओं को सुरक्षा का भाव देने की नीति है।

पीएम मोदी ने अपनी सभाओं में इस बात पर जोर दिया है कि नीतीश के शासन में बिहार में कानून का राज है।

टायसन- ऋषिकांत कनेक्शन

हत्या के आरोपी से याराना निभा रहे थे सीओ साहब...

» चार्जशीट में जुड़ी सीडीआर रिपोर्ट से खुला राज हत्या से पहले और बाद में भी होती रही बात

» विजिलेंस जांच में फंसे सीओ ऋषिकांत पर बढ़ सकती हैं मुश्किलें, संपर्क में था हत्याकांड का आरोपी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। चर्चित वकील अखिलेश दुबे के करीबी और 100 करोड़ की संपत्ति को लेकर विजिलेंस जांच के घेरे में आए निलंबित सीओ ऋषिकांत शुक्ला एक बार फिर चर्चा में हैं। बसपा नेता पिंटू सेंगर हत्याकांड की चार्जशीट में नया खुलासा हुआ है इस केस के आरोपित मोहम्मद अयाज उर्फ टायसन और ऋषिकांत शुक्ल के बीच 24 जनवरी 2020 से 28 जून 2020 तक कुल 56 बार बातचीत हुई।

सीडीआर रिपोर्ट के मुताबिक हत्या से पहले और बाद में भी दोनों के बीच लंबी वार्ताएं हुई थीं। यह संबंध अब निलंबित सीओ को एक नए विवाद के केंद्र में ला रहा है।20 जून 2020 को डिफेंस कॉलोनी निवासी सपा नेता चंद्रेश सिंह के घर के बाहर बसपा नेता पिंटू सेंगर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।पुलिस ने शुरुआती जांच में इसे जमीनी विवाद से जुड़ा मामला बताते हुए 15 आरोपितों को जेल भेजा था। बाद में दीनू उपाध्याय और अरिदमन सिंह को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, शूटरों की व्यवस्था टायसन और तनवीर बदशाह ने की थी, जबकि सुपारी की रकम बर्खास्त सिपाही श्याम सुशील मिश्र और अन्य नामजदों ने जुटाई थी।

अधिकारी और अपराधी के रिश्ते पर सवाल

चार्जशीट में दर्ज दस्तावेजों से सामने आया है कि टायसन दो मोबाइल नंबरों का प्रयोग करता था, जिन पर निलंबित सीओ से लगातार कॉल रिकॉर्ड मिले हैं। कई बार लंबी वार्ताओं का रिकॉर्ड यह संकेत देता है कि दोनों के बीच सिर्फ औपचारिक संपर्क नहीं था। पुलिस ने उस वक्त इस तथ्य को नजरंदाज कर दिया, जिससे अब जांच एजेंसियों की भूमिका पर भी प्रश्नचिह्न लग गया है। मामले में जब पुलिस अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने अदालती प्रक्रिया का हवाला देते हुए बयान देने से इनकार किया, लेकिन विवरण की जांच कराने का आश्वासन दिया। वहीं, निलंबित सीओ ऋषिकांत शुक्ल से संपर्क साधने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। अब इस खुलासे के बाद सीओ और टायसन के संबंधों पर विजिलेंस जांच का दायरा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

ई-रिक्शा चोरी गिरोह का भंडाफोड़

» सरगना समेत तीन शातिर गिरफ्तार, पांच बैटरियां और एक ई-रिक्शा बरामद

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। स्वरूप नगर पुलिस ने नशीला पदार्थ खिलाकर ई-रिक्शा और बैटरियां चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक ई-रिक्शा समेत पांच बैटरियां बरामद की हैं।

कानपुर में नशीला पदार्थ खिलाकर ई-रिक्शा और उसकी बैटरियां चोरी करने वाले गिरोह का स्वरूप नगर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मामले में पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। शातिरों के खिलाफ शहर के कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं।

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि ई-रिक्शा चोरी और उसकी बैटरियां चोरी करने वाले गिरोह के सरगना बाबूपुरवा के बगाही निवासी आकाश और खाड़ेपुर अर्रा निवासी विशाल शर्मा व महादेव नगर कच्ची बस्ती के मोहित कठेरिया को गिरफ्तार किया गया है। स्वरूप नगर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक ई-रिक्शा और पांच बैटरियां बरामद की है।

आकाश पर नौ, विशाल पर पांच और मोहित पर तीन मुकदमे

डीसीपी सेंट्रल श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि शातिर आकाश पर फजलगंज, ग्वालटोली, जूही, कोतवाली, नौबस्ता, बाबूपुरवा, स्वरूपनगर में कुल नौ मुकदमे दर्ज हैं। वहीं विशाल पर स्वरूप नगर, ग्वालटोली और फजलगंज में पांच मुकदमे हैं। मोहित कठेरिया पर स्वरूप नगर में तीन मुकदमें दर्ज हैं।

अब वन-वे होगा जैपुरिया आरओबी सर्किट हाउस तिराहा होगा चौड़ा

» 60 करोड़ की लागत से बना पुल आठ खतरनाक मोड़ों के कारण बना हादसों का जाल

» सेतु निगम ने शुरू किया सुधार कार्य, ग्लास मिरर और ब्लिंकर से बढ़ाई जाएगी सुरक्षा

»प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। जैपुरिया रेलवे ओवरब्रिज, जो तीन साल की मेहनत और 60 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ था, अब अपनी डिज़ाइन और सुरक्षा खामियों के कारण सुर्खियों में है।पुल पर बने आठ अंधे मोड़ों और संकरी ढलानों ने निर्माण की गुणवत्ता और ट्रैफिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।लगातार पड़ताल और जनता की शिकायतों के बाद आखिरकार सेतु निगम हरकत में आ गया है। अब पुल को वन-वे रूट में तब्दील करने और सर्किट हाउस तिराहे को साढ़े छह मीटर चौड़ा करने की योजना पर काम शुरू हो गया है। इस संबंध में सेतु निगम के परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र कुमार सुमन ने इंजीनियरों की टीम के साथ पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में पाया गया कि पुल की चढ़ाई और मोड़ों पर वाहनों की भिड़ंत की आशंका बनी रहती है।

सर्किट हाउस टी-प्वाइंट की चौड़ाई बढ़ाने के लिए कैंट बोर्ड से साढ़े छह मीटर भूमि मांगी गई है, जिस पर बोर्ड ने जनहित में सैद्धांतिक सहमति दे दी है। रक्षा मंत्रालय को स्वीकृति पत्र भेजा जा चुका है। इसके साथ ही सैनिक चौराहे की ओर से आने वाले वाहनों को अब पुल के नीचे से डायवर्ट कर सर्किट हाउस की तरफ से जाजमऊ की ओर भेजने की योजना तैयार हो चुकी है।

पुल की खामियों को देखते हुए सेतु निगम ने ग्लास राउंड मिरर, चेतावनी साइन बोर्ड, ब्लिंकर लाइट्स और रिफ्लेक्टिव स्टीकर्स लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।वाहन चालकों को ब्लाइंड स्पॉट पर दृश्यता मिलेगी और रात में भी वाहन गति नियंत्रित रख पाएंगे।परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र सुमन के अनुसार %पुल की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। चौड़ीकरण, सिग्नलिंग और वन-वे व्यवस्था से ट्रैफिक प्रवाह सुचारु होगा। साइड रोड निर्माण भी जल्द पूरा किया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि जैपुरिया पुल की चौड़ाई महज 7.5 मीटर है, जबकि मुख्य शहर मार्गों पर न्यूनतम चौड़ाई 10 मीटर रखी जाती है। यहां दो बड़े वाहनों का एक साथ गुजरना मुश्किल है, जिसके चलते कई बार ट्रैफिक जाम और वाहन रगड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। सेतु निगम ने यह मानते हुए कि डिज़ाइन में सुधार की जरूरत है, अब पुल के स्ट्रक्चर और एप्रोच रोड को बेहतर करने की योजना पर काम शुरू किया है। सेतु निगम अधिकारियों का कहना है कि अब यह परियोजना सिर्फ ट्रैफिक फ्लो नहीं बल्कि सुरक्षा और उपयोगिता के दृष्टिकोण से दोबारा देखी जा रही है। जैपुरिया आरओबी के समीप सर्किट हाउस तिराहा चौड़ीकरण और वन-वे व्यवस्था लागू होते ही, यह मार्ग शहर के सबसे सुरक्षित और व्यवस्थित मार्गों में शामिल किया जाएगा।

भौती बाईपास पर खड़े ट्रक में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, दो की मौत

» कूड़ा निस्तारण प्लांट के पास हुआ भीषण हादसा, कड़ी मशक्कत के बाद शवों को निकाला गयाा

»प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। भौती बाईपास पर शनिवार सुबह सचेंडी से नौबस्ता की ओर जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े खराब ट्रक में जा घुसा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चलते ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद वाहन का केबिन काटकर शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद कुछ देर तक हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पनकी हाईवे पर हादसा उस वक्त हुआ जब खराब ट्रक सडक़ किनारे खड़ा था और एक तेज रफ्तार ट्रक पीछे से उसमें जा टकराया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर थाना कोतवाली, संत कबीर नगर निवासी ट्रक ड्राइवर अरविंद यादव को सुरक्षित बाहर निकाला, जबकि कंडक्टर शमशाद और एक अन्य सवारी की मौके पर ही मौत हो गई।पनकी इंस्पेक्टर ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत हुई है और एक व्यक्ति घायल है। ट्रैफिक को जाम हटवाकर फिर से चालू करा दिया गया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मतदाता सूची में नहीं चलेगी गड़बड़ी, घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

» 4 दिसंबर तक चलेगा एसआईआर अभियान, मतदाता कर सकेंगे टोल फ्री नंबर पर शिकायत

» 3620 बीएलओ जुटे घर-घर मतदाता सत्यापन में, पारदर्शिता पर जिला प्रशासन की पैनी नजर

»प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक और त्रुटिरहित बनाने के लिए जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान तेजी से चल रहा है। इस दौरान एक करोड़ 40 लाख गणना और घोषणा पत्रों का वितरण किया जाएगा। जिले के 10 विधानसभा क्षेत्रों में 3620 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर रहे हैं। अब तक 25 हजार से अधिक घरों तक गणना पत्र पहुंच चुके हैं।यह अभियान 4 दिसंबर तक जारी रहेगा, जिसके बाद मतदाता सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। गणना पत्रों में परिवार के सभी मतदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी दर्ज की जा रही है। अभियान की प्रगति पर हर विधानसभा क्षेत्र से प्रतिदिन की रिपोर्ट ली जा रही है, ताकि रफ्तार और पारदर्शिता बनी रहे। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और प्रत्येक नाम सही पते के साथ दर्ज हो।निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए टोल फ्री नंबर 1950 जारी किया है। मतदाता इस नंबर पर फोन कर त्रुटियों, नाम छूटने या दोहराव से संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। 4 दिसंबर के बाद बीएलओ इन गणना पत्रों को एकत्र करेंगे और जानकारी सत्यापित करने के बाद मतदाता सूची को अपडेट करेंगे। जिन लोगों के नाम 2003 तक की सूची में नहीं हैं, उनके दस्तावेजों के आधार पर नाम जोड़े जाएंगे। वहीं, जिनका निधन हो चुका है, उनके नाम सूची से हटाने की प्रक्रिया नोटिस जारी कर पूरी की जाएगी।

इन बिंदुओं पर देना होगा जवाब

परिवार के सभी मतदाताओं के पूरा नाम
- आयु और जन्मतिथि
- लिंग (पुरुष/महिला/अन्य)
- पूरा पता और घर संख्या
- पहचान पत्र नंबर
- मोबाइल नंबर / संपर्क विवरण
- नए मतदाता के लिए पात्रता की तिथि
- यदि किसी मतदाता का निधन हुआ है तो उसकी जानकारी
- सभी सूचनाओं की पुष्टि के लिए हस्ताक्षर या अंगूठा निशान

मानवता शर्मसार: झाड़ियों में सिसकती मिली मासूम जिंदगियां

» मिट्टी में दबा मिला भविष्य, जब 'मां' का अर्थ भी सवालों में घिर गया

» कानपुर देहात में दो नवजात मिले परित्यक्त , मानवता हुई शर्मसार, चाइल्ड हेल्पलाइन और प्रशासन ने संभाली मासूमों की डोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।एक ओर समाज 'मां' शब्द को सबसे पवित्र मानता है, वहीं कानपुर देहात से आई दो दर्दनाक घटनाओं ने इस शब्द की ममता पर सवाल खड़े कर दिए। थाना शिवली और सिकन्दरा क्षेत्र में दो मासूम नवजात शिशु परित्यक्त अवस्था में मिले, एक झाड़ियों में और दूसरा मिट्टी में दबा हुआ। दोनों ही घटनाओं ने इंसानियत और मातृत्व की संवेदना को झकझोर दिया है।दोनों ही मामलों में जिला प्रशासन, चाइल्ड हेल्पलाइन और बाल कल्याण समिति की तत्परता ने इन मासूमों की जान बचाई। अगर सूचना देने में थोड़ी भी देरी होती, तो शायद यह बच्चे अब ज़िंदा न होते।

एक नवजात जब दुनिया में आता है, तो सबसे पहले मां की गोद चाहता है, मिट्टी की नहीं।अगर कोई व्यक्ति या परिवार बच्चों को जन्म देने में असमर्थ है, तो सरकार ने कानूनी दत्तक प्रक्रिया की सुविधा दी है। ऐसे में नवजात को मरने के लिए छोड़ देना न सिर्फ पाप है, बल्कि एक जघन्य अपराध भी।

दोनों ही बच्चों के असली परिजनों की तलाश जारी

जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय की ओर से यह अपील की गई है कि यदि किसी को बच्चों के माता-पिता या रिश्तेदारों के बारे में जानकारी हो, तो तत्काल बाल कल्याण समिति, जिला प्रोबेशन कार्यालय कानपुर देहात या चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क करें।

पहली घटना :- झाड़ियों में रोती मिली मासूम बच्ची

दिनांक 07 नवम्बर 2025 की सुबह, शिवली थाना क्षेत्र के रनियां के अलीयापुर गांव के पास से विद्यालय जा रहे अध्यापक आलोक कुमार पुत्र जय सिंह को झाड़ियों से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी।

पास जाकर देखा तो एक दुधमुंही बालिका बिना कपड़ों के झाड़ियों में पड़ी थी। उन्होंने तुरंत चौकी इंचार्ज मैथा व थाना शिवली को सूचना दी। सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन कानपुर देहात की टीम मौके पर पहुंची। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में टीम ने बच्ची को अपनी सुपुर्दगी में लेकर प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी शिवली में दाखिल कराया।

चाइल्ड हेल्पलाइन की परियोजना समन्वयक रिचा तिवारी ने बताया कि बच्ची की हालत स्थिर है और उसे फिलहाल सुरक्षित स्थान पर रखा गया है।

दूसरी घटना :- मिट्टी में दबा मिला नवजात बालक

थाना सिकन्दरा क्षेत्र के मदनपुर गांव में एक महिला बकरी चराने खेतों की ओर गई थी, तभी उसे मिट्टी के नीचे से बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। महिला ने जब मिट्टी खोदी, तो एक नवजात बालक जीवित अवस्था में दबा मिला।

महिला ने बच्चे को बाहर निकालकर ग्रामीणों की मदद से उसकी देखरेख की।

ग्रामीणों ने यह सूचना थाना सिकन्दरा को दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देश पर राजकीय विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण की टीम ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को अपनी सुपुर्दगी में लिया।

बाल कल्याण समिति कानपुर देहात के आदेशानुसार बच्चे को जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहाँ चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

मां की ममता पर प्रश्न, समाज की संवेदना पर आघात

इन दोनों घटनाओं ने पूरे जनपद को हिला कर रख दिया है। जहां एक ओर गरीब, निःसंतान दंपति सालों-साल बच्चे के लिए मंदिरों-मजारों के चक्कर लगाते हैं, वहीं कोई नवजात को यूं निर्दयता से झाड़ियों और मिट्टी में छोड़ जाता है।यह सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि मानवता और सामाजिक मर्यादा की हत्या है। इसको लेकर तमाम लोग नाराज दिखे।

गांव को भूल गए जनप्रतिनिधि, खुद सफाई करने को मजबूर ग्रामीण

रतनपुर ग्राम पंचायत के मजरे का बुरा हाल, सडक़ पर जलभराव और कीचड़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। 20 वर्षों में कई जनप्रतिनिधि आए और गए लेकिन कस्तूरी निवादा की सूरत नहीं बदली। जनपद कानपुर देहात की झींझक विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत रतनपुर ग्राम पंचायत का मजरा कस्तूरी निवादा का जहां इस ग्राम पंचायत के मजरे को जाने के लिए तो डामर रोड है लेकिन जैसे ही गांव के अंदर घुसेंगे तो निकलना दूभर हो जाएगा।

जनपद कानपुर देहात के विकास खंड झींझक क्षेत्र के अंतर्गत रतनपुर ग्राम पंचायत का मजरा कस्तूरी निवादा में स्वच्छ भारत मिशन अभियान का मजाक उड़ाया जा रहा है तो वहीं विकास कार्यों की भी पोल खुलती नजर आ रही है। गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के चलते संक्रामक बीमारियों का फैलने का भी अंदेशा है। वहीं एक दिन पहले शिक्षक अवधेश पाल, राजू पाल, वीरेंद्र पाल, वीरेन्द्र ने स्वयं ही सडक़ की खुदाई करके नाली की साफ-सफाई की। अवधेश पाल ने बताया कि समस्या को लेकर पिछले 1 महीने से ग्राम प्रधान मुनेश कुमार को अवगत कराया था लेकिन कोई देखने तक नहीं आया। इसके बाद मजबूर होकर उन्हें खुद नाली की साफ-सफाई करनी पड़ रही है। यहां तक जल निकासी की व्यवस्था न होने के चलते पड़ोस में आपसी वाद-विवाद भी हो जाता है। यहां के रहने वाले पप्पू सविता ने बताया कि उनके घर का पानी घर के बाहर ही जमा हो जाता है। जिससे जहां एक ओर पानी से बदबू उठती है तो वहीं सड़ांध के साथ बीमारियां भी फैल रही हैं । बबली देवी ने बताया कि जब उनका गांव दया ग्राम पंचायत

में लगता था तब उक्त मार्ग का निर्माण हुआ था। तब से किसी ने इस और ध्यान नहीं दिया। हम लोग नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। जबकि राजू पाल ने बताया कि गांव में साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मचारी नहीं आता है।

हम लोगों को स्वयं से ही हाथों से नाली का कीचड़ निकालकर गांव के बाहर तक साफ सफाई करनी पड़ती है। हमारे लिए तो स्वच्छ भारत मिशन अभियान एक मजाक लगता है। उन्होंने बताया कि यदि इस समस्या का समाधान न हुआ तो सभी डीएम के दफ्तर पहुंचकर फरियाद करेंगे।

क्या बोले जिम्मेदार अफसर

इस संबंध में जब बीडीओ सतीश पांडेय से बात की तो उन्होंने चौंकाने वाला जवाब दिया। उन्होंने बताया कि रतनपुर ग्राम पंचायत के प्रधान व सचिव में आपसी तनातनी के चलते विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। मुझे सूचना मिली है कि सचिव बदल दिए गए हैं। नए सचिव के चार्ज लेने के बाद जल्द ही समस्या का समाधान कराएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

साइबर सुरक्षा तकनीक से नहीं आपकी समझदारी से शुरू होती

» बढ़ते साइबर अपराधों के रोकथाम के लिए विशेषज्ञों ने दिए सुरक्षा के टिप्स

ईको पार्क माती में साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

साइबर सुरक्षा पर जानकारी देते एडीजी, आलोक सिंह

साइबर ठगी से बचाव की जानकारी देते विशेषज्ञ राहुल मिश्रा

पुलिस अधीक्षक श्रध्दा नरेन्द्र पांडेय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और जनसामान्य को ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कानपुर देहात पुलिस द्वारा ईको पार्क, माती में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें साइबर एक्सपर्टस ने ऑनलाइन ठगी से बचने के कई टिप्स दिए। कार्यशाला में साइबर एक्सपर्ट राहुल मिश्रा ने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी ठगी, सोशल इंजीनियरिंग और फेक लिंक से जुड़ी ठगी के तरीकों की गहन जानकारी दी। राहुल मिश्रा ने लाइव डेमो के माध्यम से दिखाया कि यूपीआई फ्रॉड और फिशिंग ईमेल से कैसे बचा जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा का 3 एस फॉर्मूला अपनाने की सलाह दी। प्रसिद्ध साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट अमित दुबे ने भी डार्क वेब, डेटा चोरी, सोशल मीडिया स्कैम्स और डिजिटल सुरक्षा उपायों पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा तकनीक से नहीं, समझदारी से शुरू होती है।

अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि साइबर जागरूकता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने नागरिकों से अपने मोबाइल, बैंकिंग ऐप्स और सोशल मीडिया अकाउंट्स की सुरक्षा का ध्यान रखने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल अथवा डायल 1930 हेल्पलाइन के माध्यम से तत्काल सूचना देकर राहत प्राप्त की जा सकती है। पुलिस उपमहानिरीक्षक हरीश चन्दर ने युवाओं से आग्रह किया कि वे स्वयं जागरूक रहें और अपने परिजनों व मित्रों को भी साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया गया और उन्होंने नागरिकों से ओटीपी, बैंक विवरण या निजी जानकारी किसी से भी साझा न करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि इस प्रकार की कार्यशालाएं आगे भी आयोजित की जाती रहेंगी। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस मौके पर सीडीओ लक्ष्मी एन, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय, सीओ सदर संजय वर्मा, सीओ प्रिया सिंह सिकंदरा, यातायात सीओ आलोक कुमार, जनप्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

स्कूल प्रबंधन की मनमानी बच्ची पर पड़ रही भारी, डीएम तक पहुंची शिकायत

एडीएम वित्त एवं राजस्व दुष्यंत मौर्य ने दिए बीएसए को दिए जांच के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के एक नामी प्राइवेट स्कूल द जैन वर्ल्ड स्कूल का मामला इन दिनों सुर्खियों में है, जहां स्कूल प्रबंधन की मनमानी ने एक चार साल की मासूम बच्ची के भविष्य पर सवाल खड़ा कर दिया है। मामला इतना गंभीर है कि अब जिलाधिकारी कार्यालय तक इसकी गूंज पहुंच चुकी है। बताया गया कि भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में झाँसी-कानपुर हाईवे पर स्थित द जैन वर्ल्ड स्कूल में एलकेजी कक्षा में पढने वाली एक 4 वर्षीय बच्ची को स्कूल प्रशासन ने अचानक स्कूल से निकाल दिया।

बच्ची और उसके माता-पिता ने द जैन वर्ल्ड स्कूल की शिकायत की है। मामले की जांच के आदेश बेसिक शिक्षा अधिकारी को दे दिए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुष्यंत मौर्य
अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व

जब बच्ची को स्कूल में प्रवेश नहीं मिला तो वह मासूम स्कूल ड्रेस पहनकर और बैग कंधे पर लटकाए हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गई। बच्ची के साथ उसके माता-पिता भी मौजूद थे जिन्होंने स्कूल प्रबंधन पर जबरन वसूली का गंभीर आरोप लगाया है।

बच्ची के पिता शुभम बंसल और माता दिव्यांशी बंसल ने बताया कि स्कूल प्रशासन जबरन तरह-तरह के शुल्क वसूलता है। उन्होंने बताया कि ड्रेस और किताबें केवल स्कूल से ही खरीदने का दबाव बनाया जाता है, जबकि उनकी कीमत बाजार से कहीं ज्यादा होती है। इतना ही नहीं, स्कूल प्रशासन समय-समय पर विभिन्न कारणों से पैसे मांगता है, लेकिन उनकी कोई रसीद नहीं देता। जब उन्होंने इस बारे में रसीद देने की मांग की, तो स्कूल ने बच्ची को कक्षा से अलग बैठाना शुरू कर दिया और अंततः स्कूल से निकाल दिया। माता-पिता का आरोप है कि पिछले दिनों आयोजित ऐनुअल प्रोग्राम के लिए स्कूल ने 1500 रुपये की मांग की थी, और जब उन्होंने इसकी रसीद मांगी, तो उल्टा स्कूल प्रशासन ने व्हाट्सएप संदेश के जरिए सूचित कर दिया कि बच्ची को अब स्कूल न भेजें, क्योंकि माता-पिता का व्यवहार उचित नहीं है।

सट्टा खेलते 5 आरोपी गिरफ्तार, रुपये और सट्टा पर्चियां बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कर्नलगंज थाना पुलिस ने सट्टा खेलते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 1490 रुपये नकद और 9 अदद सट्टा पर्चियां बरामद की हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देशन और डीसीपी सेंट्रल, एसीपी कर्नलगंज के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विनीत चौधरी के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों के नाम लियाकत उल्ला उर्फ राजा कट्टा, एहसान अहमद उर्फ लालू, मो. जावेद, मो. अरशद खान और अब्दुल शेख बताए गए हैं। सभी आरोपी गम्मू खां का हाता और आसपास के क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर टीम ने गम्मू खां हाते के पास थाना कर्नलगंज क्षेत्र में दबिश दी, जहां ये सभी आरोपी सट्टा खेलते हुए पकड़े गए।

जवाब मांगने वाला गया, जवाब न देने वाला वापस कुर्सी पर लौट आया

» करोड़ों की हेराफेरी में चल रही है लेखपाल कैलाश सिंह की जांच

» पूर्व एसडीएम ने किया था ट्रांसफर, नए एसडीएम ने पुनः तैनात किया

रुदौली में ट्रांसफर का सिंडिकेट!

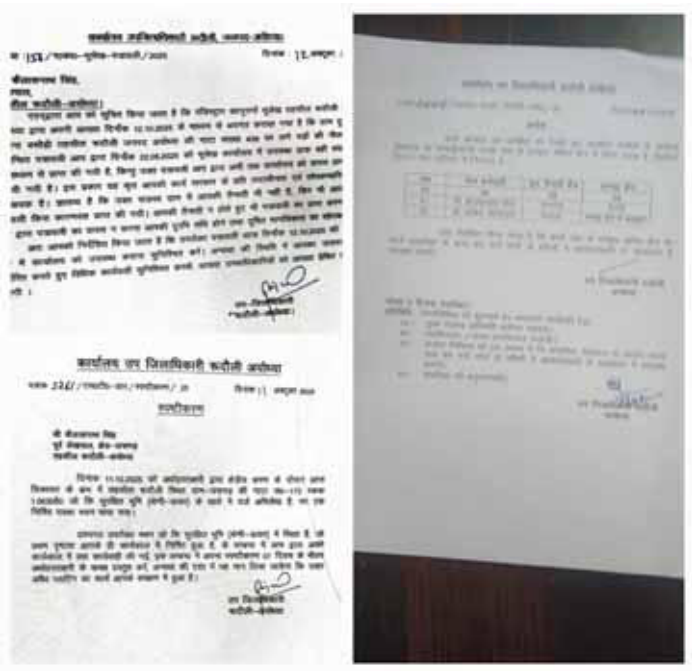

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रुदौली तहसील में इन दिनों लेखपाल राजनीति का ऐसा खेल चल रहा है जिसने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था की साख पर सवाल खड़ा कर दिया है। करोड़ों की जमीनों के हेरफेर, बेनामी संपत्तियों और प्रभावशाली नेटवर्क के बीच लेखपाल कैलाश नाथ सिंह फिर से अपनी पुरानी कुर्सी पर लौट आए हैं वहीं कुर्सी, जहां से कभी उनके भ्रष्टाचार की जांच शुरू हुई थी। मामला चौंकाने वाला है।

तत्कालीन उपजिलाधिकारी विकास धर दूबे ने कैलाश नाथ सिंह से कई मामलों में जवाब मांगा था लेकिन जवाब देने से पहले ही दूबे का तबादला कर दिया गया। और जवाब न देने वाले कैलाश सिंह का ट्रांसफर बाद में निरस्त कर दिया गया। अब नए एसडीएम संतोष कुमार द्वितीय ने उन्हें उसी पद पर पुन- तैनात कर दिया है। सवाल उठ रहा है क्या रुदौली में ट्रांसफर भी ताक़त के हिसाब से होते हैं?

ग्रामीणों का आरोप है कि कैलाश नाथ सिंह ने अपने पद का दुरुपयोग कर अपने परिजनों और परिचितों के नाम से करोड़ों की जमीनें खरीदी हैं। कई फाइलों में गुमनाम हस्ताक्षर और गलत रिपोर्टिंग के आरोप भी सामने आए हैं। लोगों का कहना है यह ईमानदारी की हार नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की जीत है। तहसील के अधिवक्ताओं का कहना है कि जब ईमानदार अधिकारी भ्रष्टाचार के खिलाफ कदम उठाता है, तो उसे ही हटा दिया जाता है।

रुदौली में अब यह चर्चा आम है कि ईमानदार अधिकारी यहां टिक नहीं सकता। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी अयोध्या से सीबीआई या आयकर विभाग से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि जब बड़े अधिकारियों तक की संपत्ति जांच के घेरे में आ सकती है, तो एक लेखपाल की बेनामी संपत्तियों पर पर्दा क्यों?

क्या सचमुच ऊपर से इशारा है? अगर एक लेखपाल करोड़ों की जमीनों का मालिक हो सकता है, तो रिश्वत अब सिस्टम की नसों में दौड़ रही है। अब निगाहें इस पर हैं कि प्रशासन इस लेखपाल सिंडिकेट पर कार्रवाई करेगा या एक बार फिर फाइलों को अलमारी में बंद कर देगा। रुदौली का यह मामला सिर्फ एक तबादले का नहीं, बल्कि प्रशासनिक ईमानदारी की परीक्षा बन गया है।

जालौन से लापता किशोरी की कानपुर में मिली लाश

» कोचिंग के लिए घर से निकली थी दिव्या, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

» आरोपियों की गिरफ्तारी तक परिजन कर रहे अंतिम संस्कार से इंकार

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जालौन जिले के रामपुरा थाना क्षेत्र के उमरी नगर पंचायत से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हुई किशोरी का शव कानपुर के रेलवे ट्रैक पर मिलने से सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान दिव्या निवासी बहादुरपुर गांव, थाना कुठौंद के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दिव्या कोचिंग के लिए घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। देर रात तक खोजबीन के बाद भी कोई पता नहीं चला।

शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि कानपुर में रेलवे ट्रैक पर एक युवती का शव मिला है। पहचान होने के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजनों ने कुछ लोगों पर दिव्या को बहला-फुसलाकर कानपुर ले जाने और साजिशन हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हत्या के बाद शव पटरी पर फेंककर हादसे का रूप देने की कोशिश की गई है। आक्रोशित परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं और उन्होंने शव का अंतिम संस्कार करने से भी इनकार कर दिया है।घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी एंगल से पड़ताल की जा रही है।

प्रयागराज- महिला डॉक्टर से अभद्रता के आरोप में औरैया के SDM पर केस दर्ज

कोर्ट ने जारी किया नोटिस

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में महिला डॉक्टर से अभद्रता, धमकी और तोड़फोड़ के आरोप में औरैया में तैनात SDM कमल कुमार सिंह पर मुकदमा दर्ज हुआ है। कोर्ट ने इस मामले में स्ष्टरूको नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।अस्पताल की संचालिका डॉ. विभा राय ने आरोप लगाया है कि स्ष्टरूकमल कुमार सिंह उनके अस्पताल पहुंचे और खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताते हुए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। डॉ. विभा के अनुसार, स्ष्टरू ने धमकी दी कि मैं बहुत पावरफुल व्यक्ति हूं, तुम्हारे जैसे डॉक्टर मेरे पास आकर तलवे चाटते हैं, तुम्हारा हॉस्पिटल बंद करवा दूंगा। डॉक्टर का आरोप है कि इस दौरान उन्होंने अस्पताल में रखे फर्नीचर और अन्य कीमती सामान को भी नुकसान पहुंचाया।

डॉ. विभा ने बताया कि उन्होंने इस घटना की शिकायत झूंसी थाने में दी थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने सुनवाई के बाद स्ष्टरूके खिलाफ केस दर्ज करने और उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए हैं।

उधर, SDM कमल कुमार सिंह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि यह उनके खिलाफ साजिश है और वे अदालत में अपना पक्ष मजबूती से रखेंगे।

अयोध्या में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट पर उठ रहे कई सवाल, जवाब देने वाला कोई नहीं

» समोसे में कनखजूरा निकला, पर जांच में सब साफ

» खाद् सुरक्षा या सौदेबाजी, अयोध्या का सिस्टम कटघरे में

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में खाद्य सुरक्षा विभाग एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने विभाग की कार्यशैली पर गंभीर आरोपों की बौछार कर दी है। वीडियो में एक व्यक्ति खुले तौर पर पैसों के लेनदेन की बात करते हुए खुद को मानिकचंद्र वाले विभाग से जुड़ा बता रहा है।

यह वीडियो सामने आते ही विभाग में हडक़ंप मच गया है। आम

उपभोक्ताओं से लेकर होटल संचालकों तक में यह चर्चा आम है कि क्या अयोध्या का फूड डिपार्टमेंट भी अब सेटिंग-शेयरिंग के खेल में उतर चुका है? स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

वीडियो वाला व्यक्ति कर्मचारी नहीं

इस पूरे मामले में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अयोध्या डॉ. पी.के. त्रिपाठी ने सफाई देते हुए कहा है कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति विभाग का कोई कर्मचारी नहीं है। वह पहले विभाग में वाहन चालक के रूप में अनुबंध पर कार्यरत था, लेकिन अनुबंध समाप्त होने के बाद उसे हटा दिया गया था। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी अयोध्या को लिखित तहरीर दी गई है और वीडियो की जांच पुलिस को सौंपी गई है। जांच पूरी होने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। विभाग किसी भी भ्रष्ट गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा।

इन सवालों का जवाब नहीं

वायरल वीडियो के बाद जनता का एक बड़ा वर्ग यह सवाल उठा रहा है कि अगर बोलने वाला व्यक्ति पूर्व चालक है, तो वह विभाग की कार्यप्रणाली के बारे में इतनी अंदरूनी जानकारी कैसे दे रहा था? क्या यह किसी बड़े अंदरूनी गठजोड़ की झलक है? फिलहाल स्वराज इंडिया इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता, लेकिन यह तथ्य अब अयोध्या प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग दोनों के लिए इमेज रिस्टोरेशन की चुनौती बन गया है। अगर विभाग पर लगे आरोपों की सच्चाई सामने नहीं आई, तो जनता का भरोसा उठ जाएगा। अयोध्या की पवित्र भूमि पर अब राम नाम की नहीं, ईमान की परीक्षा है।

कनखजूरा कांड से उठे पुराने सवाल

स्थानीय लोगों ने वायरल वीडियो को लेकर कई पुराने मामलों को भी याद किया है। कुछ महीने पहले रानीमऊ क्षेत्र के एक होटल में समोसे से कनखजूरा निकलने का मामला सामने आया था।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि तब भी खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई की बजाय मामला दबा दिया था और होटल संचालक को बचा लिया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि अगर ऐसे मामलों में समय रहते पारदर्शी कार्रवाई की गई होती, तो आज यह वीडियो विभाग की साख पर दाग न बनता।

अब गलती पर लिखना होगा 11 से 51 हज़ार बार 'राम-राम'

अयोध्या मेडिकल कॉलेज में अनोखा अनुशासन

» राम नाम से होगा सुधार, धर्म नहीं, संस्कार सिखाने की पहल

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या। जहां बाकी कॉलेजों में अनुशासनहीनता पर निलंबन या फाइन की सजा दी जाती है, वहीं अयोध्या के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में अब गलती करने पर राम नाम लिखने की सजा दी जा रही है। आदेश कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.सत्यजीत वर्मा ने खुद जारी किया है जिसके तहत छात्र-छात्राओं और स्टाफ को गलती की गंभीरता के अनुसार 11 हजार से 51 हजार बार 'राम-राम' लिखना होगा। डॉ. वर्मा का तर्क है राम का नाम तारक मंत्र है। कठोर सजा मनोबल तोड़ती है, जबकि राम नाम आत्मा को सुधारता है।

कॉलेज प्रशासन ने इसके लिए एक स्पेशल राम नाम कॉपी भी ऑनलाइन मंगाई है, जिसमें क्रम संख्या के साथ 51,000 बार तक राम नाम लिखा जा सकता है। अब तक चार से पांच छात्र-छात्राओं और एक टेक्निशियन को यह सजा दी जा चुकी है। डॉ. वर्मा बताते हैं कुछ महीने पहले दो छात्रों और एक स्टाफ सदस्य ने अनुशासन तोड़ा था। सजा देने की जगह हमने उन्हें राम नाम लिखने

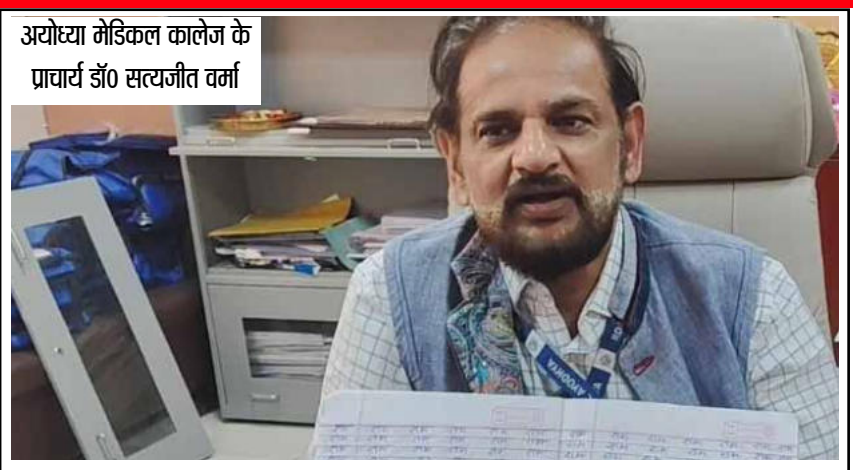

को कहा। कुछ ही दिनों में उनमें आत्मसंयम और व्यवहारिक परिवर्तन साफ दिखा। यही तो असली शिक्षा है। एक दिलचस्प उदाहरण उन्होंने टेक्निशियन आस्तिक का दिया, जो ड्यूटी से नदारद पाया गया था। राम नाम लिखने की सजा के बाद वह इतना प्रभावित हुआ कि अब तक चार कॉपियों में राम-राम लिख चुका है। कॉलेज में अब उसे राम नाम दीवाना कहा जाता है।

प्रधानाचार्य वर्मा स्पष्ट करते हैं कि यह धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मानसिक अनुशासन की एक नई पहल है। जो जिस धर्म में विश्वास रखता है, वह अपने ईष्ट का नाम लिख सकता है। कोई राम लिखे, तो कोई राधा या रहीम भाव एक ही है। उनका कहना है कि कठोर दंड कई बार छात्रों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक असर डालते हैं। लिहाज़ा यह कदम छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और संस्कार दोनों को संतुलित करने की दिशा में है।

-संस्कारों का मेडिकल पाठ

अयोध्या जैसे धार्मिक शहर में यह अनोखा प्रयोग अब चर्चा का विषय बन गया है। कुछ इसे संस्कार शिक्षा का आधुनिकीकरण कह रहे हैं, तो कुछ आध्यात्मिक अनुशासन का नाम दे रहे हैं। छात्रों का कहना है कि शुरुआत में इसे मज़ाक समझा गया, लेकिन अब लिखते-लिखते मन में शांति और एकाग्रता महसूस होती है। जब हाथ थकते हैं, मन शांत हो जाता है। एक छात्रा ने कहा। राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज की यह पहल न केवल अयोध्या, बल्कि देश के शैक्षिक संस्थानों के लिए एक नई बहस का विषय बन सकती है क्या अब अनुशासन सिखाने का मतलब भय नहीं, भाव से होगा?

डबल इंजन की सरकार में ही बदली अयोध्या की तस्वीर

» मंत्री प्रतिभा शुक्ला बोलीं राममंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम में पीएम का आगमन अयोध्या का सौभाग्य

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

अयोध्या ।प्रदेश की बाल विकास एवं पुष्टाहार राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला शनिवार को अयोध्या पहुंचीं और सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत की। अयोध्या में हो रहे विश्वस्तरीय विकास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में ही अयोध्या की तस्वीर बदली है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यह नगर आस्था के साथ विकास का भी प्रतीक बन गया है।

राममंदिर ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने की खबर पर उन्होंने खुशी जताते हुए कहा यह पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है, अयोध्या का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री स्वयं इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनेंगे। हालांकि, इस कार्यक्रम में उनके शामिल होने के सवाल पर उन्होंने साफ कहा अयोध्या में प्रधानमंत्री की उपस्थिति हम सबके लिए प्रेरणादायक है। विभाग में भ्रष्टाचार से जुड़े सवाल पर मंत्री ने कहा शिकायत मिलने पर जांच अवश्य होगी, किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की प्राथमिकता है।

पीएम मोदी ने दी देश को चार वंदे भारत की सौगात

हम देखनी कितना अद्भुत आयोजन भईल: प्रधानमंत्री

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी, बनारस से खुजराहो रवाना हुई वंदे भारत, लोगों में दिखा उत्साह

» सीएम योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया स्वागत।

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज शनिवार को बनारस रेलवे स्टेशन से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु रूट पर चलेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने भोजपुरी में की। उन्होंने कहा, 'इ पावन नगरी में आप सब लोगन के, काशी के सब परिवारजन के हमार प्रणाम। हम देखनी देव दीपावली पर कितना अद्भुत आयोजन भईल, आज का दिन भी बड़ा शुभ है।

बनारस रेलवे स्टेशन पर शनिवार की सुबह जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से खजुराहो जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, वहां मौजूद लोगों ने हर-हर महादेव का जयघोष किया और ट्रेन काशी से खजुराहो के लिए रवाना हो गई। लोगों ने हाथ उठाकर प्रधानमंत्री का अभिवादन भी किया। आठ कोच वाली इस उद्घाटन स्पेशल ट्रेन में पहले दिन 400 से ज्यादा लोगों ने सफर किया। सुबह 8.41 बजे बनारस से निकली ट्रेन शाम 4.30 बजे खजुराहो पहुंचेगी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान चार ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इसमें बनारस से खजुराहो वाली ट्रेन को ऑफलाइन जबकि लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर कैंट- दिल्ली और एर्नाकुलम से बंगलूरू तक जाने वाली वंदेभारत एक्सप्रेस का ऑनलाइन उदघाटन किया गया। इससे पहले रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रेलवे स्टेशन परिसर में आने पर स्वागत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भर के विकसित देशों में आर्थिक विकास का एक बड़ा कारण बुनियादी ढांचा रहा है। जिन देशों ने बहुत प्रगति और विकास देखा है, वहां बुनियादी ढांचे का विकास उनकी

प्रगति के पीछे एक बड़ी ताकत रहा है। कितने हवाई अड्डे बने हैं, कितनी वंदे भारत ट्रेनें चली हैं, ये सभी चीजें विकास से जुड़ी हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज वंदे भारत, नमो भारत, अमृत भारत ट्रेनें भारतीय रेलवे की अगली पीढ़ी की नींव रख रही हैं। वंदे भारत भारतीयों की, भारतीयों द्वारा और भारतीयों के लिए बनाई गई एक ऐसी ट्रेन है जिस पर हर भारतीय को गर्व है। आज 160 से ज्यादा वंदेभारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि खजुराहो जाने वाली वंदेभारत ट्रेन विंध्याचल, प्रयागराज, चित्रकूट जैसे आध्यात्मिक धारा के केंद्रों को जोड़ेंगी। ये यात्राएं केवल देव दर्शन का मार्ग नहीं है बल्कि भारत की पवित्र आत्मा को जोड़ने वाली परम्परा हैं। वंदेभारत से इन्हें जोड़ना भारत की विरासत के शहर को देश का प्रतीक बनाने का अहम कदम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में यूपी में हुए विकास कार्यों की वजह तीर्थाटन नए मुकाम पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल 11 करोड़ श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन को काशी आए। वहीं, राम मंदिर निर्माण के बाद छह करोड़ से ज्यादा लोग दर्शन-पूजन को पहुंचे। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को हजारों करोड़ का लाभ हुआ। होटल, परिवहन, नौकायन, पर्यटन, बनारसी साड़ी समेत छोटे व्यापारियों को इसका सीधा फायदा मिला। आज बनारस के सैकड़ों नौजवान ट्रांसपोर्ट, बनारसी साड़ी समेत नए व्यापार शुरू कर रहे हैं। काशी में समृद्धि का द्वार खुल रहा है।

बच्चों की प्रतिभा से हुए प्रभावित

इससे पूर्व पीएम मोदी ने ट्रेन के अंदर कुछ स्कूली बच्चों से संवाद भी किया। पीएम ने उनसे पढ़ाई, दिनचर्या, कॅरियर, लक्ष्य, परिवार समेत कई विषयों पर बात की और जीवन में आगे बढ़ने तथा देश के विकास में सहभागी बनने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि काशी का सांसद होने के नाते मुझे बहुत सुखद अनुभव हुआ कि हमारी काशी में ऐसे प्रतिभाशाली बच्चे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों को ज्यादा समय नहीं मिला था लेकिन उन्होंने जो चित्र बनाए, जो कविताएं सुनाईं, उन्हें देख, सुनकर मुझे बहुत गर्व हुआ। एक बच्चे जिसके हाथ में तकलीफ का खास तौर पर जिक्र करते हुए उन्होंने उसके द्वारा बनाए गए चित्र की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने इन बच्चों के अध्यापकों और माता-पिता को भी बधाई दी।

सहारनपुर में सोते वक्त भाजपा नेता की हत्या

मंडल उपाध्यक्ष के माथे के बीचो-बीच मारी गोली

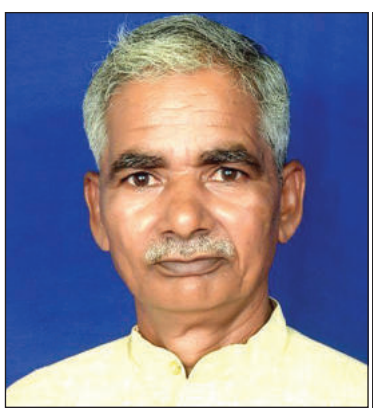

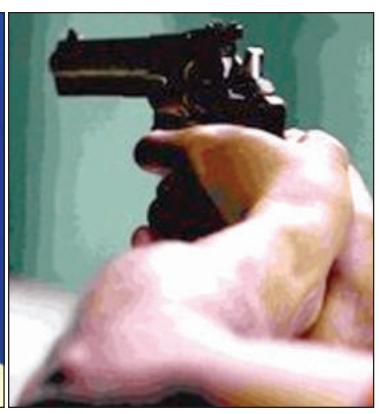

» परिवार में 10 लोग, किसी को भनक तक नहीं लगी।

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

सहारनपुर। भाजपा के अंबेहटा मंडल उपाध्यक्ष की बीती देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। गांव टीडौली निवासी और भाजपा के अनुसूचित मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सुशील कोरी ने बताया कि उनके पिता 70 वर्षीय धर्म सिंह कोरी रात्रि में घेर में सो रहे थे।

सुबह जब उनकी पत्नी सुनीता ने देखा कि उनके पिता की चारपाई के पास खून बह रहा है तो उसने शोर मचाया। शोर सुनकर सभी भाई घेर में आ गए और देखा कि उनके पिताजी के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बड़े पुत्र सुमित ने बताया कि रात्रि में लगभग 2:00 बजे कुत्तों के भौंकने की आवाज आई और पटाखे जैसी आवाज भी आ रही थी, चूंकि गांव में दो शादियां थी और उसमें आतिशबाजी हो रही थी। आतिशबाजी की आवाज समझ कर ही स्वजन घर में ही लेटे रहे।सुबह घेर में पहुंचने पर घटना का पता लगा।

लखनऊ में सेंटर से अयोध्या रोड तक बनेगा फ्लाईओवर

2300 मीटर तक होगी दूरी तय, शहीद पर होते हुए एयरपोर्ट जाना आसान

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की सबसे बड़ी समस्या ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए अब अंदरूनी ट्रैफिक को सुधार पर जोर दिया जा रहा है। किसान पथ से शहर को चारों ओर से जोड़ने के बाद अब शहर के भीतर फ्लाईओवरों का जाल बिछाने का काम किया जा रहा है। इसी क्रम में हजरतगंज से शहीद पथ तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए लामार्टीनियर कॉलेज से जी-20 रोड तक 2300 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। लगभग 315 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस फ्लाईओवर के लिए एलडीए ने टेंडर जारी कर दिया है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार लखनऊ की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर परियोजना पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। परियोजना के पहले चरण में आईआईएम रोड से पक्का पुल तक बंधा चौड़ीकरण, 4-लेन सड़क निर्माण और फ्लाईओवर काम पूरा किया जा चुका है। वहीं दूसरे चरण में पक्का पुल से समतामूलक चौराहे तक सड़क और फ्लाईओवर निर्माण अपने अंतिम चरण में है।

अब तीसरे चरण में गोमती नदी के दाएं किनारे पर लामार्टीनियर कॉलेज से आर्मी लैंड होते हुए जी-20 रोड तक लगभग 2300 मीटर लंबा 4-लेन फ्लाईओवर कम रेल ओवरब्रिज (आरओबी) बनाया जाएगा। यह फ्लाईओवर दो सालों में तैयार होने का लक्ष्य है। इसके बन जाने से शहर के मध्य क्षेत्र से शहीद पथ, इकाना स्टेडियम, पुलिस मुख्यालय, एयरपोर्ट और अयोध्या रोड की ओर जाना बेहद आसान हो जाएगा।

यह फ्लाईओवर लामार्टीनियर कॉलेज के पास से शुरू होकर पिपराघाट रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरते हुए जी-20 रोड से जुड़ेगा। इसके निर्माण से 1090 चौराहा, कालीदास मार्ग, विक्रमादित्य मार्ग जैसे व्यस्त इलाकों में जाम की समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। वहीं ग्रीन कॉरिडोर परियोजना के तहत गोमती नदी पर 250 मीटर लंबा ब्रिज भी बनाया जाएगा।